SMASH BRAHMANICAL HINDUTVA FASCISM! DEMAND JUSTICE FOR ROHITH

It has been a month since the institutional murder of Rohith Vemula at the hands of BJP, ABVP and the HCU administration. Rohith was one of the five Dalit research scholars expelled from the hostel and faced social boycott for raising his voice against injustice perpetrated by the fascist and brahmanical forces in the country.

Rohith's death sparked off hundreds of protests across the country in which people demanded justice for Rohith and end to caste discrimination in all spheres of life. But, far from justice, those who abetted the death of Rohith have received promotions to honorary positions, shielded from judicial scrutiny and defended beyond logic while the identity of Rohith and his dalitness has been questioned by these very same forces. Meanwhile, the ruling government has taken it upon itself to divert the attention of the people towards another institution of higher education, JNU, by declaring it 'anti-national' on the basis of fabricated intelligence reports, sensationalized news coverage and blatant conspiracy by the RSS led BJP and ABVP. The nexus of the *sangh girohs* in its agenda to establish a fascist rule is unfolding before our eyes in our country. In this hostile climate, we need to unite, expose the brahmanical Hindutva agenda and fight this fascist assault on the people of this country.

The Joint Action Committee for Social Justice has stood for the right of every voice like that of Rohith that this government has tried to silence. We have united to demand justice for hundreds of Rohith Vemulas! We appeal to all people to join the struggle in Delhi. We, the students, workers, cultural activists, intellectuals, will rally in memory of Rohith's martyrdom, to fight for justice and freedom and to realize the country of our dreams.

Our demands

- Enact "Rohith Act" against the caste discrimination in education spaces.
- Punish the culprits (Smriti Irani, Bandaru Dattatrya, Appa Rao, Ramchandra Rao, Alok Pandey and Susheel Kumar).
- Remove Appa Rao from post of Vice Chancellor.
- Employ a family member of Rohith in the university.
- Pay a minimum compensation of 50 lakhs.
- Drop the false police cases against the five research scholars.
- Appoint a special public prosecutor in the concerned case of Rohith.
- Constitute a judicial inquiry (non-MHRD members) into all cases of discrimination and harassment of Dalit, Adivasi, OBC, Religious Minority students in all higher educational institutions.
- Implement Affirmative action policies in all higher education institutions, irrespective of the management of the colleges.

Sh. Prakash Ambedkar will lead the

PROTEST RALLY FROM AMBEDKAR BHAWAN TO JANTAR MANTAR

23TH Feb 2016, 11:00 am onwards.

Joint Action Committee for Social justice requests all of you to join.
Coordinator : G L Bhagat IRS (Retd.) 8588084314

ब्राह्मणवादी हिंदुत्व फासीवाद को बर्बाद करें!
रोहिथ के लिए न्याय की मांग!

दलित शोधार्थी रोहिथ वेमुला को भाजपा, एबीवीपी तथा HCU प्रशासन के हाथों द्वारा हुई संस्थागत मृत्यु को एक महीना होने आया है. रोहिथ उन पांच दलित शोधार्थियों में से था जिन्हें उनके हॉस्टल से निष्कासित कर दिया गया था तथा देश की फासीवादी और ब्राह्मणवादी शक्तियों के द्वारा किये गये अन्याय के विरोध में आवाज़ उठाने के लिए भी इन्हें सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ा था.

रोहिथ की मृत्यु ने देश में सैंकड़ों धरनों-प्रदर्शनों को चिंगारी दी, जिसमे लोगों ने रोहिथ के लिए न्याय की तथा जीवन के सभी क्षेत्रों से जातिगत भेदभाव को खत्म करने की मांग की है. लेकिन, न्याय तो क्या, जिन्होंने रोहिथ को मृत्यु के लिए मजबूर किया वह सम्मानीय पदों पर बिठाये जा रहे हैं तथा न्यायिक तहकीकात से बचाए जा रहे हैं. साथ ही साथ इन्हें तर्कों से परे बचाया भी जा रहा है जबकि रोहिथ और उसकी दलित अस्मिता को इन ताक़तों के द्वारा प्रश्नांकित भी किया गया है. इसी बीच केंद्र सरकार ने अपने आप इस मुद्दे को कमज़ोर करने की साज़िश में लोगों का ध्यान एक दूसरे उच्च शिक्षा संस्थान की ओर खींचा है; जोकि जेएनयू है. यहाँ सरकार ने मनगढंत ख़ुफ़िया रिपोर्टों के आधार पर, सनसनी पैदा करने वाली खबरों तथा आरएसएस-बीजेपी-एबीवीपी के तिकड़म के षड्यंत्रों के द्वारा संस्थान को 'देश-द्रोही' घोषित किया है. इस देश में फासीवादी शासन को स्थापित करने के संघ गिरोह के नेक्सस और उनका एजेंडा आज हमारी आँखों के सामने है. इस विपरीत समय में, हमें एक साथ जुड़ने की ज़रूरत है, ताकि हम ब्राह्मणवादी हिंदुत्व के एजेंडे की कलई खोलें, तथा देश की जनता पर हो रहे फासीवादी हमले के खिलाफ लड़ें.

सामाजिक न्याय के लिए बनी जॉइंट एक्शन समिति रोहिथ की ही तरह उस हर आवाज़ के लिए मौजूद है, जिन्हें सरकार ख़ामोश कराना चाहती है. हम सैंकड़ों रोहिथ वेमुला के लिए एकताबद्ध होकर न्याय की मांग कर रहे हैं. हम दिल्ली के सभी लोगों से संघर्ष में शामिल होने की अपील करते हैं. हम छात्र, श्रमिक, संस्कृतिकर्मी, बुद्धिजीवी, रोहिथ की शहादत को याद करते, न्याय और तथा आज़ादी और देश को हमारे सपने याद दिलाने के लिए रैली कर रहे हैं.

हमारी मांगे

- शैक्षणिक संस्थाओं में जातिगत भेदभाव के खिलाफ "रोहिथ एक्ट" क्रियान्वित किया जाये.
- दोषियों को सजा दिलायी जाये (स्मृति इरानी, बंडारू दत्तात्रय, अप्पा राव, रामचन्द्र राव, आलोक पाण्डेय तथा सुशील कुमार).
- अप्पा राव को कुलपति के पद से हटाया जाए.
- रोहिथ के परिवार के सदस्य को यूनिवर्सिटी में नौकरी दी जाये.
- कम से कम 50 लाख रूपय मुआवज़ा दिया जाये.
- पांच शोधार्थियों के खिलाफ पुलिस केस वापस हों.
- एक विशेष पब्लिक वकील को रोहिथ से संबंधित केस के लिए नियुक्त किया जाये.
- भेदभाव के सभी मामलों में न्यायिक तहकीकात के लिए एक समिति बनाई जाए (जिसमे MHRD के सदस्य न हों) और वह उच्च शिक्षा संस्थानों में दलित, आदिवासी, ओबीसी, धार्मिक अल्पसंख्यक के मामले देखे.
- महाविद्यालयों के प्रबंधन की प्रवाह किये बिना, सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में सकरात्मक कार्यवाही के लिए नीतियों को क्रियान्वित किया जाये.

प्रोटेस्ट मार्च अम्बेडकर भवन से जंतर-मंतर 23 फरवरी, 2016,
सुबह 11 बजे से

श्री प्रकाश अम्बेडकर के नेतृत्व में आयोजित होगी
अतः आप सभी लोग इस में कृप्या भाग लें।

संयोजकः— गिरधारी लाल भगत